केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) एवं NCTE नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित

केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा

CTET

जूनियर स्तर (कक्षा VI-VIII)

बाल विकास एवं शिक्षण, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित/विज्ञान

अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान सम्पादक

Anand K. Mahajan

लेखन सहयोग

परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

बालकृष्ण, आशीष गिरि

संपादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने आर.ए. सिक्योरिटी प्रिंटर्स, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन प्रा.लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव और सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 995/-

विषय-सूची

बाल विकास एवं शिक्षण

बाल विकास और अध्यापन 11-98

- **बाल विकास (प्रारम्भिक विद्यालय का बालक) 11-55**
  - विकास की अवस्था तथा अधिगम से उसका संबंध 11
  - बालक के विकास के सिद्धांत 14
  - आनुवांशिकता और पर्यावरण का प्रभाव 15
  - सामाजिकीकरण दबाव : सामाजिक विश्व और बालक (शिक्षक, अभिभावक और मित्रगण) 17
  - पियाजे, कोहलबर्ग और बायगोत्सकी : निर्माण और विवोचित संदर्श 19
  - बाल-केंद्रित और प्रगामी शिक्षा की अवधारणाएं 34
  - बौद्धिकता के निर्माण का विवेचित संदर्श 37
  - बहु-आयामी बौद्धिकता 38
  - भाषा और चिंतन 41
  - समाज निर्माण के रूप में लिंग : लिंग भूमिकाएँ, लिंग-पूर्वाग्रह और शैक्षणिक व्यवहार 44
  - शिक्षार्थियों के मध्य वैयक्तिक विभेद, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय, धर्म आदि की विविधता पर आधारित विभेदों को समझना करना 47
  - अधिगम के लिए मूल्यांकन और अधिगम के मूल्यांकन के बीच अंतर; विद्यालय आधारित मूल्यांकन, सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन : संदर्श और व्यवहार 49
  - शिक्षार्थियों की तैयारी के स्तर के मूल्यांकन के लिए; कक्षा में शिक्षण और विवेचित चिंतन के लिए तथा शिक्षार्थी की उपलब्धि के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना। 53
- **समावेशी शिक्षा की अवधारणा तथा निवेश आवश्यकता वाले बालकों को समझना 56-72**
  - गैर-लाभप्राप्त और अवसर-वंचित शिक्षार्थियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना 59
  - अधिगम संबंधी समस्याओं, 'कठिनाई' रखने वाले बालकों की आवश्यकताओं को समझना 61
  - मेधावी, सृजनशील, विशिष्ट, प्रतिभावान शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना 66
- **अध्ययन और अध्यापन 73-98**
  - बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं; बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल' होते हैं 73
  - शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएँ, बालकों की अधिगम कार्यनीतियाँ, सामाजिक क्रियाकलाप के रूप में अधिगम, अधिगम के सामाजिक संदर्भ। 77
  - एक समस्या समाधानकर्ता और एक 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक 82
  - बालकों के अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना, अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों' को समझना 86
  - बोध और संवेदनाएं 90
  - प्रेरणा और अधिगम 94
  - अधिगम में योगदान देने वाले कारक-निजी एवं पर्यावरणीय 97

हिन्दी 99-172

- **भाषा बोधगम्यता** **99-124**
  - अनदेखे अनुच्छेदों को पढ़ना 99
- **भाषा विकास का अध्यापन** **125-172**
  - अधिगम अर्जन 125
  - भाषा अध्यापन के सिद्धांत 134
  - सुनने और बोलने की भूमिका, भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं। 137
  - मौखिक और लिखित रूप में विचारों के सम्प्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर विवेचित संदर्श 140
  - एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियाँ, भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियाँ और विकार 149
  - भाषा कौशल 151
  - भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना 158
  - अध्यापन-अधिगम सामग्री : पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन 165
  - उपचारात्मक अध्यापन 171

English 173-233

- **LANGUAGE COMPREHENSION** **173-200**
  - (Reading unseen passage-two passage one prose or drama and one poem with question on comprehension, inference, grammar and verbal ability (Prose passage may be literary, scientific, narrative or discursive) 173
- **PEDAGOGY OF LANGUAGE DEVELOPMENT** **201-233**
  - Language Learning and Language Acquisition 201
  - Principles of Language Teaching 207
  - Role of Listening and Speaking function of Language and How Children use it as a tool 209
  - A Critical Perspective on the Role of Grammar in Learning a Language for Communicating Ideas Verbally and in Written form 211
  - Challenges of Teaching Language in a Diverse Classroom; Language Difficulties, Errors and Disorders 217
  - Language Skills 220
  - Evaluating/Assessment Language Comprehension and Proficiency : Speaking, Listening, Reading and Writing 222
  - Teaching-Learning Materials : Textbook, Multimedia Materials, multilingual resource of the classroom. 227
  - Remedial Teaching/Diagnostic 233

संस्कृत 234-314

- **भाषाबोध** **234-272**
  - अपठितखण्डानां पठनं- द्वे खण्डे, एकः गद्यात् वा नाटकात् एकः च काव्यात्। अवगमनस्य, अंतर्ज्ञानस्य, व्याकरणस्य, वाचिकक्षमतायाः च प्रश्नाः (गद्य साहित्यिकं, वैज्ञानिकं, कथात्मकं वा विमर्शात्मकं वा भवितुम् अर्हति) 234

❑ **भाषाविकासस्य शिक्षाशास्त्रम्......273-314**

- भाषा अधिगम अधिग्रहणं च......273
- भाषाशिक्षणस्य सिद्धान्ताः......283
- श्रवणस्य वक्तुं च भूमिका, भाषायाः कार्य तथा च बालकाः तस्याः उपयोगं कथं साधनरूपेण कुर्वन्ति इति......286
- मौखिकरूपेण लेखनरूपेण च विचारणां संप्रेषणार्थ भाषाशिक्षणे व्याकरणस्य भूमिकायाः समीक्षात्मकदृष्टिकोणः......289
- विविधकक्षायां भाषाशिक्षणस्य आव्हानानि; भाषाकष्टानि, दोषाः, विकाराः च......294
- भाषा कौशलम्......296
- भाषाबोधस्य प्रवीणतायाः च मूल्याङ्कनम्ः वक्तुं, श्रवणं, पठनं, लेखनं च......300
- अध्यापकशिक्षणसामग्रीः पाठ्यपुस्तकानि, बहुमाध्यमसामग्री, बहुभाषिककक्षासंसाधनम्......308
- उपायात्मक निदानात्मक शिक्षणम्......312

गणित 315-429

■ **अंक प्रणाली, अंकों को समझाना, अंकों के साथ खेलना......315-326**

दशमलव– जोड़, घटाना, गुणा व भाग......315

कोष्ठक–सरलीकरण......316

लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक......318

प्रतिशतता......320

लाभ-हानि......320

साधारण ब्याज एवं चक्रवृद्धि ब्याज......322

आयु सम्बन्धी प्रश्न......324

समय, कार्य, मजदूरी एवं पाइप टंकी......325

चाल, समय एवं दूरी......326

मापन–समय, तौल, धारिता, लम्बाई एवं ताप......326

■ **पूर्ण अंक (पूर्णांक) और नकारात्मक......327-333**

■ **भिन्न......334-335**

■ **अनुपात एवं समानुपात......336-337**

■ **बीजगणित, बीजगणित का परिचय एवं संक्रियाएँ......338-352**

बीजगणित की अवधारणा एवं बीज गणितीय सूत्र पर आधारित प्रश्न, चर एवं अचर संख्याएं......338

बीजीय व्यंजक, सर्वसमिकाएँ–बीजीय व्यंजकों के गुणनखण्ड, जोड़ घटाना, गुणा एवं भाग, सजातीय एवं विजातीय पद, व्यंजकों की डिग्री (एक, दो एवं त्रिपदीय व्यंजकों की अवधारणा)......339

युगपत समीकरण, वर्ग समीकरण, रेखीय समीकरण......346

वर्ग वर्गमूल, घन घनमूल, घातांक......349

■ **ज्यामिति और मूल ज्यामिति विचार (2D)......353-372**

कोण, समान्तर रेखाएँ, चतुर्भुज की रचनाएँ, बहुभुज एवं त्रिभुज......353

वृत्त और वृत्त की स्पर्श रेखाएँ......372

■ **बुनियादी आकारों को समझना (3D)–घन, घनाभ, लम्बवृत्तीय बेलन, लम्बवृत्तीय शंकु, गोला......373-380**

■ **क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन)......381-387**

■ **सममिति......388-389**

■ **सांख्यिकी/आँकड़ों का संग्रह और सांख्यिकी की संक्रियाएँ 390-399**
आँकड़ों का वर्गीकरण, पिक्टोग्रॉफ, माध्य, माध्यिका एवं बहुलक, बारम्बारता 390
प्रायिकता 396
पाई एवं दण्ड चार्ट, अवर्गीकृत आँकड़ों का चित्र, ग्राफ दण्ड आरेख तथा मिश्रित दण्ड आरेख 398
■ **शिक्षण और अध्यापन संबंधी मुद्दे 400-429**
गणितीय/तार्किक चिंतन की प्रकृति 400
पाठ्यचर्या में गणित का स्थान 412
गणित की भाषा 415
सामुदायिक गणित 415
मूल्यांकन 417
उपचारात्मक शिक्षण 422
शिक्षण की समस्याएं 424
त्रुटि विश्लेषण तथा अधिगम एवं अध्यापन के प्रासंगिक पहलू 427
विविध 427

विज्ञान 430-576

■ **भोजन 430-432**
भोजन के स्त्रोत 430
भोजन के अवयव 431
भोजन को स्वच्छ करना 432
■ **सामग्री 433-445**
दैनिक प्रयोग की सामग्री 441
■ **जीव-जंतुओं की दुनिया 446-476**
■ **सचल वस्तुएँ (सौर परिवार) लोग और विचार 477-484**
■ **चीजें कैसे कार्य करती हैं 485-495**
■ **विद्युत करंट और सर्किट 496-501**
चुंबक 500
■ **प्राकृतिक पद्धति 502-506**
■ **प्राकृतिक संसाधन 507-514**
■ **अध्यापन संबंधी मुद्दे 515-576**
विज्ञान की प्रकृति और संरचना 515
प्राकृतिक विज्ञान/लक्ष्य और उद्देश्य 523
विज्ञान को समझना और उसकी सराहना करना 528
दृष्टिकोण/एकीकृत दृष्टिकोण 531
प्रेक्षण/प्रयोग/अन्वेषण (विज्ञान की पद्धति) 533
अभिनवता 550
पाठ्यचर्या सामग्री/सहायता-सामग्री 558
मूल्यांकन-संज्ञानात्मक/मनोप्रेरक/प्रभावन 563
समस्याएँ 570
उपचारात्मक शिक्षण 572

प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण

बाल विकास और अध्यापन

क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न	क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
1.	CTET, 2024 (VI-VIII) (14-12-2024)	$1 \times 30 = 30$	31.	CTET, 2021 (VI-VIII) (08-01-2022)	$1 \times 30 = 30$
2.	CTET, 2024 (VI-VIII) (15-12-2024)	$1 \times 30 = 30$	32.	CTET, 2021 (VI-VIII) (10-01-2022)	$1 \times 30 = 30$
3.	CTET, 2024 (VI-VIII) (07-07-2024)	$1 \times 30 = 30$	33.	CTET, 2021 (VI-VIII) (11-01-2022)	$1 \times 30 = 30$
4.	CTET, 2024 (VI-VIII) (21-01-2024)	$1 \times 30 = 30$	34.	CTET, 2021 (VI-VIII) (12-01-2022)	$1 \times 30 = 30$
5.	CTET, 2023 (VI-VIII) (20-08-2023)	$1 \times 30 = 30$	35.	CTET, 2021 (VI-VIII) (17-01-2022)	$1 \times 30 = 30$
6.	CTET, 2022 (VI-VIII) (28-12-2022)	$1 \times 30 = 30$	36.	CTET, 2021 (VI-VIII) (21-01-2022)	$1 \times 30 = 30$
7.	CTET, 2022 (VI-VIII) (09-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	37.	CTET, 2021 (VI-VIII) (20-12-2021)	$1 \times 30 = 30$
8.	CTET, 2022 (VI-VIII) (11-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	38.	CTET, 2021 (VI-VIII) (21-12-2021)	$1 \times 30 = 30$
9.	CTET, 2022 (VI-VIII) (12-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	39.	CTET, 2021 (VI-VIII) (22-12-2021)	$1 \times 30 = 30$
10.	CTET, 2022 (VI-VIII) (13-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	40.	CTET, 2021 (VI-VIII) (23-12-2021)	$1 \times 30 = 30$
11.	CTET, 2022 (VI-VIII) (17-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	41.	CTET, 2021 (VI-VIII) (24-12-2021)	$1 \times 30 = 30$
12.	CTET, 2022 (VI-VIII) (18-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	42.	CTET, 2021 (VI-VIII) (27-12-2021)	$1 \times 30 = 30$
13.	CTET, 2022 (VI-VIII) (19-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	43.	CTET, 2021 (VI-VIII) (28-12-2021)	$1 \times 30 = 30$
14.	CTET, 2022 (VI-VIII) (20-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	44.	CTET, 2021 (VI-VIII) (29-12-2021)	$1 \times 30 = 30$
15.	CTET, 2022 (VI-VIII) (23-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	45.	CTET, 2021 (VI-VIII) (30-12-2021)	$1 \times 30 = 30$
16.	CTET, 2022 (VI-VIII) (24-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	46.	CTET, 2021 (VI-VIII) (31-12-2021)	$1 \times 30 = 30$
17.	CTET, 2022 (VI-VIII) (25-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	47.	CTET, 2020 (VI-VIII) (31-01-2021)	$1 \times 30 = 30$
18.	CTET, 2022 (VI-VIII) (27-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	48.	CTET, 2019 (VI-VIII) (08-12-2019)	$1 \times 30 = 30$
19.	CTET, 2022 (VI-VIII) (28-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	49.	CTET 2019 (VI-VIII) (07-07-2019)	$1 \times 30 = 30$
20.	CTET, 2022 (VI-VIII) (29-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	50.	CTET 2018 (VI-VIII) (09-12-2018)	$1 \times 30 = 30$
21.	CTET, 2022 (VI-VIII) (30-01-2023)	$1 \times 30 = 30$	51.	CTET 2016 (VI-VIII) (18-09-2016)	$1 \times 30 = 30$
22.	CTET, 2022 (VI-VIII) (01-02-2023)	$1 \times 30 = 30$	52.	CTET 2016 (VI-VIII) (21-02-2016)	$1 \times 30 = 30$
23.	CTET, 2022 (VI-VIII) (03-02-2023)	$1 \times 30 = 30$	53.	CTET 2015 (VI-VIII) (20-09-2015)	$1 \times 30 = 30$
24.	CTET, 2022 (VI-VIII) (06-02-2023)	$1 \times 30 = 30$	54.	CTET 2015 (VI-VIII) (22-02-2015)	$1 \times 30 = 30$
25.	CTET, 2021 (VI-VIII) (01-01-2022)	$1 \times 30 = 30$	55.	CTET 2014 (VI-VIII) (21-09-2014)	$1 \times 30 = 30$
26.	CTET, 2021 (VI-VIII) (03-01-2022)	$1 \times 30 = 30$	56.	CTET 2014 (VI-VIII) (16-02-2014)	$1 \times 30 = 30$
27.	CTET, 2021 (VI-VIII) (04-01-2022)	$1 \times 30 = 30$	57.	CTET 2013 (VI-VIII) (28-07-2013)	$1 \times 30 = 30$
28.	CTET, 2021 (VI-VIII) (05-01-2022)	$1 \times 30 = 30$	58.	CTET 2012 (VI-VIII) (18-11-2012)	$1 \times 30 = 30$
29.	CTET, 2021 (VI-VIII) (06-01-2022)	$1 \times 30 = 30$	59.	CTET 2012 (VI-VIII) (29-01-2012)	$1 \times 30 = 30$
30.	CTET, 2021 (VI-VIII) (07-01-2022)	$1 \times 30 = 30$	60.	CTET 2011 (VI-VIII) (26-06-2011)	$1 \times 30 = 30$
				कुल प्रश्न-पत्र = 60	1800

हिन्दी

क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न	क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
1.	CTET, 2024 (VI-VIII) (14-12-2024)	$1 \times 60 = 60$	31.	CTET, 2021 (VI-VIII) (08-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
2.	CTET, 2024 (VI-VIII) (15-12-2024)	$1 \times 60 = 60$	32.	CTET, 2021 (VI-VIII) (10-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
3.	CTET, 2024 (VI-VIII) (07-07-2024)	$1 \times 60 = 60$	33.	CTET, 2021 (VI-VIII) (11-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
4.	CTET, 2024 (VI-VIII) (21-01-2024)	$1 \times 60 = 60$	34.	CTET, 2021 (VI-VIII) (12-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
5.	CTET, 2023 (VI-VIII) (20-08-2023)	$1 \times 60 = 60$	35.	CTET, 2021 (VI-VIII) (17-01-2022)	$1 \times 60 = 60$

6.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-12-2022)**	$1 \times 60 = 60$	**36.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$
7.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (09-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**37.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (20-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
8.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (11-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**38.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
9.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (12-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**39.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (22-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
10.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (13-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**40.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (23-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
11.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (17-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**41.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (24-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
12.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (18-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**42.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (27-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
13.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (19-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**43.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (28-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
14.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (20-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**44.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (29-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
15.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (23-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**45.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (30-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
16.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (24-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**46.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (31-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
17.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (25-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**47.**	**CTET, 2020 (VI-VIII) (31-01-2021)**	$1 \times 60 = 60$
18.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (27-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**48.**	**CTET, 2019 (VI-VIII) (08-12-2019)**	$1 \times 60 = 60$
19.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**49.**	**CTET 2019 (VI-VIII) (07-07-2019)**	$1 \times 60 = 60$
20.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (29-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**50.**	**CTET 2018 (VI-VIII) (09-12-2018)**	$1 \times 60 = 60$
21.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (30-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**51.**	**CTET 2016 (VI-VIII) (18-09-2016)**	$1 \times 60 = 60$
22.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (01-02-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**52.**	**CTET 2016 (VI-VIII) (21-02-2016)**	$1 \times 60 = 60$
23.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (03-02-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**53.**	**CTET 2015 (VI-VIII) (20-09-2015)**	$1 \times 60 = 60$
24.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (06-02-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**54.**	**CTET 2015 (VI-VIII) (22-02-2015)**	$1 \times 60 = 60$
25.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (01-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$	**55.**	**CTET 2014 (VI-VIII) (21-09-2014)**	$1 \times 60 = 60$
26.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (03-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$	**56.**	**CTET 2014 (VI-VIII) (16-02-2014)**	$1 \times 60 = 60$
27.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (04-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$	**57.**	**CTET 2013 (VI-VIII) (28-07-2013)**	$1 \times 60 = 60$
28.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (05-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$	**58.**	**CTET 2012 (VI-VIII) (18-11-2012)**	$1 \times 60 = 60$
29.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (06-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$	**59.**	**CTET 2012 (VI-VIII) (29-01-2012)**	$1 \times 60 = 60$
30.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (07-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$	**60.**	**CTET 2011 (VI-VIII) (26-06-2011)**	$1 \times 60 = 60$
				कुल प्रश्न-पत्र = 60	**3600**

अंग्रेजी

क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न	क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
1.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (14-12-2024)**	$1 \times 60 = 60$	**31.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (08-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$
2.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (15-12-2024)**	$1 \times 60 = 60$	**32.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (10-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$
3.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (07-07-2024)**	$1 \times 60 = 60$	**33.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (11-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$
4.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (21-01-2024)**	$1 \times 60 = 60$	**34.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (12-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$
5.	**CTET, 2023 (VI-VIII) (20-08-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**35.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (17-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$
6.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-12-2022)**	$1 \times 60 = 60$	**36.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-01-2022)**	$1 \times 60 = 60$
7.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (09-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**37.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (20-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
8.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (11-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**38.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
9.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (12-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**39.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (22-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
10.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (13-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**40.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (23-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
11.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (17-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**41.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (24-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
12.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (18-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**42.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (27-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
13.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (19-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**43.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (28-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$
14.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (20-01-2023)**	$1 \times 60 = 60$	**44.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (29-12-2021)**	$1 \times 60 = 60$

15.	CTET, 2022 (VI-VIII) (23-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	45.	CTET, 2021 (VI-VIII) (30-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
16.	CTET, 2022 (VI-VIII) (24-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	46.	CTET, 2021 (VI-VIII) (31-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
17.	CTET, 2022 (VI-VIII) (25-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	47.	CTET, 2020 (VI-VIII) (31-01-2021)	$1 \times 60 = 60$
18.	CTET, 2022 (VI-VIII) (27-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	48.	CTET, 2019 (VI-VIII) (08-12-2019)	$1 \times 60 = 60$
19.	CTET, 2022 (VI-VIII) (28-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	49.	CTET 2019 (VI-VIII) (07-07-2019)	$1 \times 60 = 60$
20.	CTET, 2022 (VI-VIII) (29-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	50.	CTET 2018 (VI-VIII) (09-12-2018)	$1 \times 60 = 60$
21.	CTET, 2022 (VI-VIII) (30-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	51.	CTET 2016 (VI-VIII) (18-09-2016)	$1 \times 60 = 60$
22.	CTET, 2022 (VI-VIII) (01-02-2023)	$1 \times 60 = 60$	52.	CTET 2016 (VI-VIII) (21-02-2016)	$1 \times 60 = 60$
23.	CTET, 2022 (VI-VIII) (03-02-2023)	$1 \times 60 = 60$	53.	CTET 2015 (VI-VIII) (20-09-2015)	$1 \times 60 = 60$
24.	CTET, 2022 (VI-VIII) (06-02-2023)	$1 \times 60 = 60$	54.	CTET 2015 (VI-VIII) (22-02-2015)	$1 \times 60 = 60$
25.	CTET, 2021 (VI-VIII) (01-01-2022)	$1 \times 60 = 60$	55.	CTET 2014 (VI-VIII) (21-09-2014)	$1 \times 60 = 60$
26.	CTET, 2021 (VI-VIII) (03-01-2022)	$1 \times 60 = 60$	56.	CTET 2014 (VI-VIII) (16-02-2014)	$1 \times 60 = 60$
27.	CTET, 2021 (VI-VIII) (04-01-2022)	$1 \times 60 = 60$	57.	CTET 2013 (VI-VIII) (28-07-2013)	$1 \times 60 = 60$
28.	CTET, 2021 (VI-VIII) (05-01-2022)	$1 \times 60 = 60$	58.	CTET 2012 (VI-VIII) (18-11-2012)	$1 \times 60 = 60$
29.	CTET, 2021 (VI-VIII) (06-01-2022)	$1 \times 60 = 60$	59.	CTET 2012 (VI-VIII) (29-01-2012)	$1 \times 60 = 60$
30.	CTET, 2021 (VI-VIII) (07-01-2022)	$1 \times 60 = 60$	60.	CTET 2011 (VI-VIII) (26-06-2011)	$1 \times 60 = 60$
				कुल प्रश्न-पत्र = 60	3600

संस्कृत

क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न	क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
1.	CTET, 2024 (VI-VIII) (14-12-2024)	$1 \times 60 = 60$	31.	CTET, 2021 (VI-VIII) (08-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
2.	CTET, 2024 (VI-VIII) (15-12-2024)	$1 \times 60 = 60$	32.	CTET, 2021 (VI-VIII) (10-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
3.	CTET, 2024 (VI-VIII) (07-07-2024)	$1 \times 60 = 60$	33.	CTET, 2021 (VI-VIII) (11-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
4.	CTET, 2024 (VI-VIII) (21-01-2024)	$1 \times 60 = 60$	34.	CTET, 2021 (VI-VIII) (12-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
5.	CTET, 2023 (VI-VIII) (20-08-2023)	$1 \times 60 = 60$	35.	CTET, 2021 (VI-VIII) (17-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
6.	CTET, 2022 (VI-VIII) (28-12-2022)	$1 \times 60 = 60$	36.	CTET, 2021 (VI-VIII) (21-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
7.	CTET, 2022 (VI-VIII) (09-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	37.	CTET, 2021 (VI-VIII) (20-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
8.	CTET, 2022 (VI-VIII) (11-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	38.	CTET, 2021 (VI-VIII) (21-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
9.	CTET, 2022 (VI-VIII) (12-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	39.	CTET, 2021 (VI-VIII) (22-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
10.	CTET, 2022 (VI-VIII) (13-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	40.	CTET, 2021 (VI-VIII) (23-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
11.	CTET, 2022 (VI-VIII) (17-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	41.	CTET, 2021 (VI-VIII) (24-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
12.	CTET, 2022 (VI-VIII) (18-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	42.	CTET, 2021 (VI-VIII) (27-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
13.	CTET, 2022 (VI-VIII) (19-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	43.	CTET, 2021 (VI-VIII) (28-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
14.	CTET, 2022 (VI-VIII) (20-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	44.	CTET, 2021 (VI-VIII) (29-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
15.	CTET, 2022 (VI-VIII) (23-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	45.	CTET, 2021 (VI-VIII) (30-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
16.	CTET, 2022 (VI-VIII) (24-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	46.	CTET, 2021 (VI-VIII) (31-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
17.	CTET, 2022 (VI-VIII) (25-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	47.	CTET, 2020 (VI-VIII) (31-01-2021)	$1 \times 60 = 60$
18.	CTET, 2022 (VI-VIII) (27-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	48.	CTET, 2019 (VI-VIII) (08-12-2019)	$1 \times 60 = 60$
19.	CTET, 2022 (VI-VIII) (28-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	49.	CTET 2019 (VI-VIII) (07-07-2019)	$1 \times 60 = 60$
20.	CTET, 2022 (VI-VIII) (29-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	50.	CTET 2018 (VI-VIII) (09-12-2018)	$1 \times 60 = 60$
21.	CTET, 2022 (VI-VIII) (30-01-2023)	$1 \times 60 = 60$	51.	CTET 2016 (VI-VIII) (18-09-2016)	$1 \times 60 = 60$
22.	CTET, 2022 (VI-VIII) (01-02-2023)	$1 \times 60 = 60$	52.	CTET 2016 (VI-VIII) (21-02-2016)	$1 \times 60 = 60$
23.	CTET, 2022 (VI-VIII) (03-02-2023)	$1 \times 60 = 60$	53.	CTET 2015 (VI-VIII) (20-09-2015)	$1 \times 60 = 60$

24.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (06-02-2023)**	$1\times60=60$	**54.**	**CTET 2015 (VI-VIII) (22-02-2015)**	$1\times60=60$
25.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (01-01-2022)**	$1\times60=60$	**55.**	**CTET 2014 (VI-VIII) (21-09-2014)**	$1\times60=60$
26.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (03-01-2022)**	$1\times60=60$	**56.**	**CTET 2014 (VI-VIII) (16-02-2014)**	$1\times60=60$
27.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (04-01-2022)**	$1\times60=60$	**57.**	**CTET 2013 (VI-VIII) (28-07-2013)**	$1\times60=60$
28.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (05-01-2022)**	$1\times60=60$	**58.**	**CTET 2012 (VI-VIII) (18-11-2012)**	$1\times60=60$
29.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (06-01-2022)**	$1\times60=60$	**59.**	**CTET 2012 (VI-VIII) (29-01-2012)**	$1\times60=60$
30.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (07-01-2022)**	$1\times60=60$	**60.**	**CTET 2011 (VI-VIII) (26-06-2011)**	$1\times60=60$
				कुल प्रश्न-पत्र = 60	**3600**

गणित एवं विज्ञान

क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न	क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
1.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (14/15-12-2024)**	$2\times60=120$	**27.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (17-01-2022)**	$1\times60=60$
2.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (07-07-2024)**	$1\times60=60$	**28.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-01-2022)**	$1\times60=60$
3.	**CTET, 2024 (VI-VIII) (21-01-2024)**	$1\times60=60$	**29.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (20-12-2021)**	$1\times60=60$
4.	**CTET, 2023 (VI-VIII) (20-08-2023)**	$1\times60=60$	**30.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (21-12-2021)**	$1\times60=60$
5.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (29-12-2022)**	$1\times60=60$	**31.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (22-12-2021)**	$1\times60=60$
6.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (09-01-2023)**	$1\times60=60$	**32.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (23-12-2021)**	$1\times60=60$
7.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (10-01-2023)**	$1\times60=60$	**33.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (24-12-2021)**	$1\times60=60$
8.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (12-01-2023)**	$1\times60=60$	**34.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (27-12-2021)**	$1\times60=60$
9.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (13-01-2023)**	$1\times60=60$	**35.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (28-12-2021)**	$1\times60=60$
10.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (24-01-2023)**	$1\times60=60$	**36.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (29-12-2021)**	$1\times60=60$
11.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (27-01-2023)**	$1\times60=60$	**37.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (30-12-2021)**	$1\times60=60$
12.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (28-01-2023)**	$1\times60=60$	**38.**	**CTET, 2021 (VI-VIII) (31-12-2021)**	$1\times60=60$
13.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (02-02-2023)**	$1\times60=60$	**39.**	**CTET, 2020 (VI-VIII) (31-01-2021)**	$1\times60=60$
14.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (03-02-2023)**	$1\times60=60$	**40.**	**CTET, 2019 (VI-VIII) (08-12-2019)**	$1\times60=60$
15.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (04-02-2023)**	$1\times60=60$	**41.**	**CTET 2019 (VI-VIII) (07-07-2019)**	$1\times60=60$
16.	**CTET, 2022 (VI-VIII) (06-02-2023)**	$1\times60=60$	**42.**	**CTET 2018 (VI-VIII) (09-12-2018)**	$1\times60=60$
17.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (01-01-2022)**	$1\times60=60$	**43.**	**CTET 2016 (VI-VIII) (18-09-2016)**	$1\times60=60$
18.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (03-01-2022)**	$1\times60=60$	**44.**	**CTET 2016 (VI-VIII) (21-02-2016)**	$1\times60=60$
19.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (04-01-2022)**	$1\times60=60$	**45.**	**CTET 2015 (VI-VIII) (20-09-2015)**	$1\times60=60$
20.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (05-01-2022)**	$1\times60=60$	**46.**	**CTET 2015 (VI-VIII) (22-02-2015)**	$1\times60=60$
21.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (06-01-2022)**	$1\times60=60$	**47.**	**CTET 2014 (VI-VIII) (21-09-2014)**	$1\times60=60$
22.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (07-01-2022)**	$1\times60=60$	**48.**	**CTET 2014 (VI-VIII) (16-02-2014)**	$1\times60=60$
23.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (08-01-2022)**	$1\times60=60$	**49.**	**CTET 2013 (VI-VIII) (28-07-2013)**	$1\times60=60$
24.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (10-01-2022)**	$1\times60=60$	**50.**	**CTET 2012 (VI-VIII) (18-11-2012)**	$1\times60=60$
25.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (11-01-2022)**	$1\times60=60$	**51.**	**CTET 2012 (VI-VIII) (29-01-2012)**	$1\times60=60$
26.	**CTET, 2021 (VI-VIII) (12-01-2022)**	$1\times60=60$	**52.**	**CTET 2011 (VI-VIII) (26-06-2011)**	$1\times60=60$
				कुल प्रश्न-पत्र = 52	**3300**

नोट- उपरोक्त प्रश्न-पत्रों के सम्यक विश्लेषण के उपरान्त **बाल विकास और अध्यापन** से सम्बन्धित **1800** प्रश्नों, **हिन्दी** से संबंधित **3600** प्रश्नों, **अंग्रेजी** से संबंधित **3600** प्रश्नों, **संस्कृत** से संबंधित **3600** प्रश्नों एवं **गणित और विज्ञान** से संबंधित **3300** प्रश्नों को अध्यायवार प्रस्तुत किया गया है। दुहराव वाले प्रश्नों का परीक्षा वर्ष एवं परीक्षा नाम यथास्थान निर्दिष्ट कर दिया गया है।

Trend Analysis of CDP, Hindi, English and Sanskrit Questions Through Pie Chart and Bar Graph

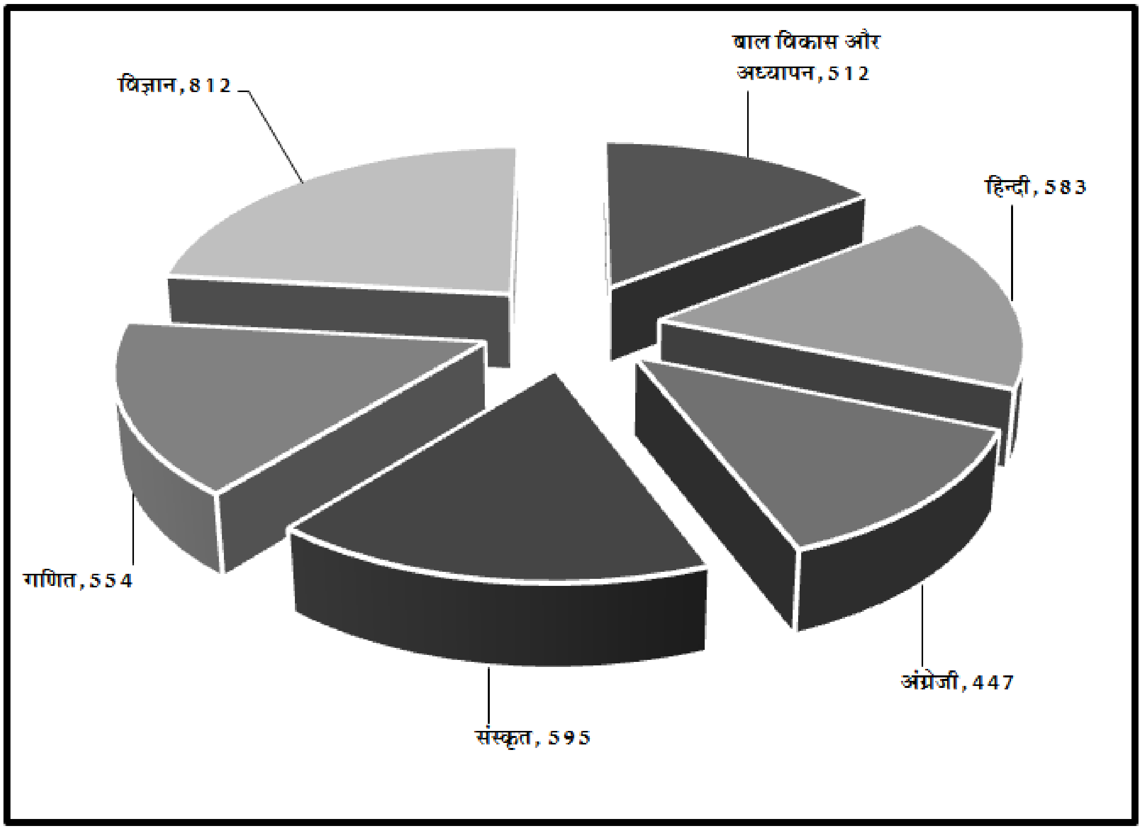

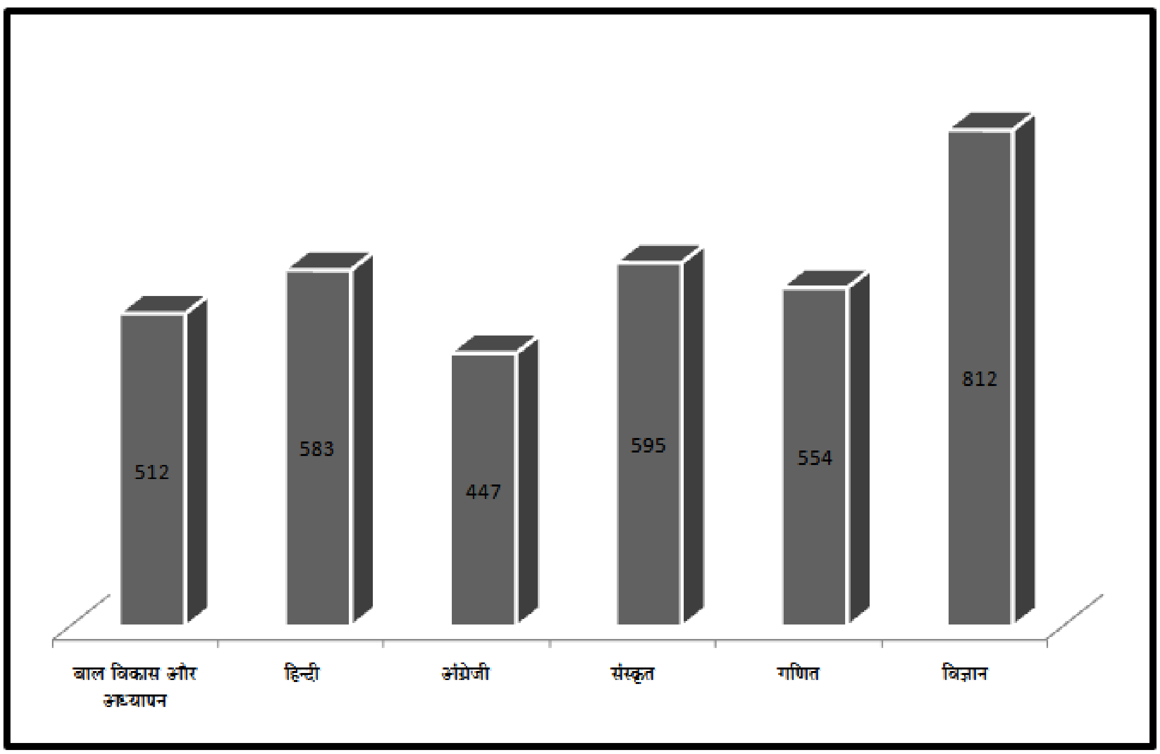

बाल विकास और अध्यापन

कक्षा (VI-VIII)

1. बाल विकास (प्रारम्भिक विद्यालय का बालक)

1. विकास-

(a) अव्यवस्थित होता है। (b) पूरी तरह से अप्रत्याशित है।
(c) एक आयामी है। (d) गतिशील है।

CTET (VI-VIII) 14/12/2024
CTET (VI-VIII) 29/12/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : विकास गतिशील हैं। विकास कुछ कम से कुछ अधिक बनाने के बारे में है, उदाहरण के लिए एक असहाय शिशु से चलने और बात करने वाला बच्चा। एक वर्तमान सैद्धांतिक ढ़ांचा विकासात्मक प्रक्रिया को एक जटिल गतिशील प्रणाली के भीतर परिवर्तन के रूप में देखता है। विकास को वास्तविक समय में होने वाली कई विकेन्द्रीकृत और स्थानीय अंतः क्रियाओं के उभरते उत्पाद के रूप में देखा जाता है।

2. विकास की प्रक्रियाः

(a) बहुआयामी है (b) एकरूपी है
(c) रैखिक है (d) स्थिर है

CTET (VI-VIII) 04/02/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : विकास एक बहुआयामी प्रक्रिया है जिसका अर्थ है कि इसमें शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास जैसे कारकों की गतिशील अंतःक्रिया शामिल है।

3. विकास की प्रक्रिया की क्या विशेषताएँ हैं?
(i) यह प्रक्रिया बचपन तक सीमित है।
(ii) यह जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है।
(iii) इसकी शुरूआत जन्म के समय होती है।
(iv) इसकी शुरूआत गर्भधारण के समय होती है।
सही विकल्प चुनें–

(a) (i), (iii) (b) (i), (iv)
(c) (ii), (iii) (d) (ii), (iv)

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : प्रत्येक व्यक्ति में शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक परिपेक्ष्य में समय-समय पर बदलाव आता है। जन्म के समय वह शिशु कहलाता है, कुछ समय के बाद बालक, फिर किशोर, वयस्क, और अंत में प्रौढ़ एवं वृद्ध कहलाता है। बालक की आयु के साथ शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, सांवेगिक, नैतिक आदि पक्षों का विकास होता है। व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व में परिवर्तन को अभिवृद्धि एवं विकास के नाम से जाना जाता है। हरलॉक के अनुसार, ''विकास अभिवृद्धि तक सीमित नहीं है, अपितु इसमें परिवर्तनों का वह प्रगतिशील क्रम निहित है जो परिपक्वता के लक्ष्य की ओर अग्रसर होता है। विकास के परिणामस्वरूप व्यक्ति में नवीन विशेषताएँ और नवीन योग्यताएँ प्रकट होती है।''
इसकी निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं–
* यह जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है।
* इसकी शुरूआत गर्भधारण के समय से ही होती है।
* वृद्धि की तुलना में विकास अधिक व्यापक है।
* इसमें शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है।

1.(i) विकास की अवस्था तथा अधिगम से उसका संबंध

4. आप एक शिक्षक हैं जो अपने छात्रों को परासंज्ञानात्मक कौशल विकसित करने में मदद करना चाहते हैं। निम्नलिखित में से कौन सी रणनीति इस प्रकार के चिंतन को बढ़ावा देने की सबसे अधिक संभावना है?

(a) विद्यार्थियों को सत्रीय कार्य के लिए सारांशित नोट्स प्रदान करना।
(b) गृहकार्य सौंपना जिसके लिए याद रखने और याद करने की आवश्यकता होती हैं।
(c) छात्रों को उनके प्रदर्शन पर गुणात्मक प्रतिपुष्टि के बजाय अंक देना।
(d) छात्रों को अपने स्वयं के सीखने और सोचने की प्रक्रिया पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करना।

CTET (VI-VIII) 07/07/2024

Ans. (d) : छात्रों को अपने स्वयं के सीखने और सोचने की प्रक्रिया पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करने की रणनीति चिंतन को बढ़ावा देने की सबसे अधिक संभावना है।
परासंज्ञान कौशल– यह छात्रों के लिए उनके चिंतन के बारे में सोचने के लिए तैयार की गई प्रक्रिया है। यह छात्रों के विचारों को सृजनात्मक अथवा अपसारी बनाता है।

5. लेव वायगोत्स्की के अनुसार भाषा और विचार के बीच क्या संबंध है?

(a) भाषा और विचार एक दूसरे से स्वतंत्र हैं।
(b) भाषा और विचार विकास की जटिल विनिमेय प्रक्रियाएँ हैं।
(c) भाषा विचार को आकार नहीं देती है।
(d) विचार भाषा को आकार देते हैं।

CTET (VI-VIII) 07/07/2024

Ans. (b) : लेव वायगोत्स्की के अनुसार- भाषा और विचार विकास की जटिल विनिमेय प्रक्रियाएँ हैं।
लेव वायगोत्स्की सिद्धांत के अनुसार, बच्चों में भाषा क्षमताओं को बढ़ाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए क्योंकि संज्ञानात्मक विकास बच्चों में भाषा के विकास का अनुसरण करता है। भाषा संज्ञानात्मक विकास को निर्देशित करती है।

6. भावनाओं, व्यक्तित्व और सामाजिक संबंधों में परिवर्तन और स्थिरता किस विकास में शामिल हैं?

(a) मनोसामाजिक विकास (b) संज्ञानात्मक विकास
(c) व्यक्तित्व विकास (d) भावनात्मक विकास

CTET (VI-VIII) 07/07/2024

Ans. (a) : (Psychosocial Development) मनोसामाजिक विकास : मनोसामाजिक विकास एक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति की मानसिक और सामाजिक क्षमताएं विकसित होती हैं यह जीवन भर चलता रहता है और व्यक्ति के व्यक्तित्व, संबंधों और समाज में भूमिका निभाने की क्षमता को आकार देता है।
अतः भावनाओं, व्यक्तित्व और सामाजिक संबंधों में परिवर्तन और स्थिरता मनोसामाजिक विकास में शामिल है।

7. निम्न में से कौन सा प्रश्न विश्लेषणात्मक चिंतन को बढ़ावा देता है?

(a) भारत की कुल जनसंख्या कितनी है?
(b) भारत में जनसंख्या वृद्धि के विभिन्न कारण क्या हैं?
(c) भारत की राजधानी —— हैं।
(d) भारत में कितने राज्य हैं?

CTET (VI-VIII) 07/07/2024

Ans. (b) : भारत में जनसंख्या वृद्धि के विभिन्न कारण क्या हैं, इस प्रकार का प्रश्न विश्लेषणत्मक चिंतन को बढ़ावा देता है। विश्लेषणात्मक चिंतन को बढ़ावा देता है विश्लेषणात्मक चिंतन किसी समस्या का विश्लेषण करने और उसका समाधान खोजने की एक विधि है। इसमें निर्णय लेने अथवा समस्याओं को हल करने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण का उपयोग करना शामिल होता हैं इसे अपसारी चिंतन के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि इसमें किसी समस्या के प्रत्युत्तर में अनेक, विविध विचार, संभावनाएं या समाधान उत्पन्न करना शामिल होता है।

8. विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिंतन को विकसित करने के लिए, एक शिक्षक को:

(a) ऐसे सवाल देने चाहिए जिनमें निष्कर्ष और व्याख्याएँ शामिल होते हैं।
(b) ऐसे सवालों से बचना चाहिए जिनमें विवेचन और विश्लेषण की आवश्यकता होती हैं।
(c) केवल ऐसे ही सवाल पूछने चाहिए जिनका एक ही उत्तर हो।
(d) विद्यार्थियों को उनके संदेह और सवाल पूछने के लिए हतोत्साहित करना चाहिए।

CTET (VI-VIII) 07/07/2024

Ans. (a) : विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिंतन को विकसित करने के लिए एक शिक्षक को ऐसे सवाल देने चाहिए जिनमें निष्कर्ष और व्याख्याएं शामिल होते हैं। समालोचनात्मक चिंतन विकसित करने के लिए उचित विश्लेषण, मूल्यांकन, निष्कर्ष और स्पष्टीकरण की आवश्यकता होती है, इसमें चीजों को खुले दिमाग से देखना, अवलोकन करना और एक विचार अथवा अवधारणा को यथासंभव कई तरह से जांचना शामिल है।

10. अभिकथन (A) :
वह कोई उद्देश्यात्मक निश्चित क्षण नहीं होता जब कोई बच्चा मध्य बाल्यावस्था या किशोरावस्था में प्रवेश करता है।
कारण (R) :
विकास, प्रकृति में निरंतर होता रहता है।
सही विकल्प चुनें-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की (R) सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (A) की (R) सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 21/01/2024 (Shift-II)

Ans. (a) : विकास से तात्पर्य अंगों के बेहतर और बढ़ते हुए कार्य के लिए संरचना में वृद्धि के होने से है। यह एक व्यापक और सतत प्रक्रिया हैं, इस प्रकार वह कोई उद्देश्यात्मक निश्चित क्षण नहीं होता जब कोई बच्चा मध्य बाल्यावस्था या किशोरावस्था में प्रवेश करता हैं क्योंकि विकास की प्रकृति निरंतर चलने वाली हैं विकास प्रक्रिया में नई विशेषताओं का समावेश होता हैं और पुरानी विशेषताएँ गायब हो जाती हैं। मनोवैज्ञानिक ने विकास को इन परिवर्तनों गुणों और विशेषताओं की क्रमिक और नियमित उत्पत्ति कहा हैं। अतः अभिकथन (A) व कारण (R) दोनों सही हैं एवं (A) की (R) सही व्याख्या कर रहा हैं।

11. किशोरावस्था के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) किशोरावस्था एक सामाजिक रचना है।
(b) किशोरावस्था को आमतौर पर यौवन को शुरू करने के लिए माना जाता है- यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो यौन परिपक्वता और पुनरुत्पादन की क्षमता की ओर ले जाती है।
(c) किशोरावस्था बचपन और वयस्कता के बीच विकासात्मक संक्रमण है जिसमें शारीरिक, संज्ञानात्मक और मनोसामाजिक परिवर्तन होते हैं।
(d) विभिन्न संस्कृतियों के बच्चे एक समान तरीके से किशोरावस्था में प्रवेश करते हैं और इसे अनुभव करते हैं।

CTET (VI-VIII) 21/01/2024 (Shift-II)

Ans. (d) : विभिन्न संस्कृतियों के बच्चे एक समान तरीके से किशोरावस्था में प्रवेश करते हैं और इसे अनुभव करते हैं। सही नहीं है यह कथन किशोरावस्था में प्रभावित करने वाले कारक :

- जैविक कारक-यौवन की शुरूआत, हार्मोन का स्तर, शारीरिक विकास
- मनोवैज्ञानिक कारक-आत्म-सम्मान, पहचान, जोखिम लेने का व्यवहार
- सामाजिक-सांस्कृतिक कारक : परिवार, समुदाय, मीडिया, सामाजिक दंड

12. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए :
अभिकथन (A) : बच्चों के बीच विकासात्मक दरों में काफी भिन्नताएँ मौजूद होती हैं।
कारण (R) : विकासात्मक अंतर, आनुवंशिक और अनुभवात्मक विविधताओं की जटिल अंतः क्रिया का एक अनिवार्य परिणाम हैं।

(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

CTET (VI-VIII) 20/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : बच्चों के बीच विकासात्मक दरों में काफी भिन्नताएँ मौजूद होती हैं क्योंकि विकासात्मक अंतर, आनुवंशिक और अनुभवात्मक विविधताओं की जटिल अंतः क्रिया का एक अनिवार्य परिणाम है। विकासात्मक अंतर में कार्यप्रणाली और भावनात्मक विनियमन की प्रभावशीलता में परिवर्तन शामिल है।
अतः (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

13. व्यक्तिगत भिन्नता का सिद्धांत बताता है कि :

(a) सभी बच्चों के शारीरिक विकास की गति एकसमान होती है।
(b) सभी बच्चों की वृद्धि की गति एक जैसी होती है।
(c) विभिन्न बच्चों के विकास और वृद्धि की गति में अंतर हो सकता है।
(d) सभी बच्चों के भाषायी विकास की गति एकसमान होती है।

CTET (VI-VIII) 10/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : व्यक्तिगत भिन्नता का सिद्धान्त बताता है कि विभिन्न बच्चों के विकास और वृद्धि की गति में अंतर हो सकता है। जिसका एक कारण आयु और बुद्धि भी है। आयु के साथ-साथ बालक का शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक विकास होता है, इसलिए विभिन्न आयु के बालकों में अन्तर मिलता है।

14. वह कौन सी अवस्था है जिसमें बच्चे परिवार से स्वायत्तता स्थापित करते हैं और अपने व्यक्तिगत मूल्यों एवं लक्ष्यों को परिभाषित करते हुए अपनी खुद की एक पहचान का निर्माण करते हैं?

(a) प्रारंभिक बाल्यावस्था
(b) मध्य बाल्यावस्था
(c) उत्तर बाल्यावस्था
(d) किशोरावस्था

CTET (VI-VIII) 12/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : किशोरावस्था में बच्चे परिवार से स्वायत्तता स्थापित करते हैं और अपने व्यक्तिगत मूल्यों एवं लक्ष्यों को परिभाषित करते हुए अपनी खुद की एक पहचान का निर्माण करते हैं। विद्वानों ने (13-21) वर्ष की अवस्था को किशोरावस्था माना है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार किशोरावस्था यौनिक परिपक्वता से प्रारम्भ होती है और वैधानिक परिपक्वता पर समाप्त हो जाती है। परिवर्तन की इस अवस्था में माता पिता, शिक्षक, अभिभावक तथा अन्य लोग जो बालकों के कल्याण में रुचि रखते हैं और परिवार समाज व राष्ट्र की प्रगति चाहते हैं तो उन्हें किशोरों के विकास पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिये क्योंकि किशोर ही वर्तमान की शक्ति और भविष्य की आशा है। स्टेनले हॉल के अनुसार, ''किशोरावस्था बड़े संघर्ष, तूफान व विरोध की अवस्था है।''

15. कथन (A): शारीरिक विकास के संदर्भ में बच्चों के विकास को समझने के लिए यह ज़रूरी है कि बजाए एक विशिष्ट उम्र को देखने के, विकास की 'सीमा क्षेत्र' को देखा जाए।
तर्क (R): बच्चों की वृद्धि व विकास में व्यक्तिगत भिन्नताएँ होती हैं।
सही विकल्प चुनें।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता हैं (A) की।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं हैं (A) की।
(c) (A) सही है लेंकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 12/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : शारीरिक विकास के संदर्भ में बच्चों के विकास को समझने के लिए यह जरूरी है कि बजाए एक विशिष्ट उम्र को देखने के, विकास की 'सीमा क्षेत्र' को देखा जाए क्योंकि बच्चों की वृद्धि व विकास में व्यक्तिगत भिन्नताएँ होती है। कभी-कभी वृद्धि और विकास दोनों को पर्याय मान लिया जाता है लेकिन इनमें अंतर है। वृद्धि को मानव के कोशीय वृद्धि के संदर्भ में समझा जाता है वहीं विकास का संदर्भ वृद्धि के साथ मानव के सम्पूर्ण पक्ष में वृद्धि से है। अर्थात् विकास में वृद्धि तो निहित है ही, साथ ही साथ व्यक्ति के मानसिक, भावात्मक, सामाजिक, नैतिक आदि पक्षों में परिवर्तन से है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।

16. बाल विकास की गति :

(a) एकसमान, मानकीय और अव्यवस्थित होती है।
(b) में व्यक्तिगत भिन्नताएँ होती हैं और यह अव्यवस्थित होती है।
(c) एकसमान, मानकीय और कुछ हद तक सुनियोजित और क्रमानुसार होती है।
(d) में व्यक्तिगत भिन्नताएँ होती हैं और यह कुछ हद तक सुनियोजित और क्रमानुसार होती है।

CTET (VI-VIII) 13/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : बाल विकास की गति में व्यक्तिगत भिन्नताएँ होती हैं और यह कुछ हद तक सुनियोजित और क्रमानुसार होती है। एक बच्चा एक क्रमबद्ध क्रम में विकसित होता है। जो सभी बच्चों में लगभग समान होता है। विकास की दर और गति अलग-अलग मामलों में भिन्न हो सकती है, लेकिन सभी बच्चों में विकास स्वरूप का क्रम लगभग समान है। इस प्रकार मानव विकास कुछ सिद्धान्तों पर आधारित है। जन्म के पूर्व और प्रसव के बाद मनुष्य का विकास एक स्वरूप या एक सामान्य अनुक्रम का पालन करता है। शारीरिक विकास, पेशीय या भाषा विकास और बौद्धिक निश्चित क्रमों में होता है।

17. किस उम्र में बच्चों के क्रियाकलाप प्रमुखतः बड़ी मांसपेशियों के स्थूल गति के प्रयोग पर केन्द्रित होते हैं बजाए सूक्ष्म गति कार्य के?

(a) शैशवावस्था
(b) प्रारंभिक बाल्यावस्था
(c) किशोरावस्था
(d) माध्यमिक बाल्यावस्था

CTET (VI-VIII) 13/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : शैशवावस्था में बच्चों के क्रियाकलाप प्रमुखतः बड़ी मांसपेशियों के स्थूल गति के प्रयोग पर केन्द्रित होते हैं बजाए सूक्ष्म गति कार्य के। स्थूल गत्यात्मक कौशल वे हैं जिन्हें, चलने संतुलन बनाने, दौड़ने और घिसटकर चलने जैसे कार्यों को करने के लिये बड़ी मांसपेशियों के समूह के उपयोग की आवश्यकता होती है।
सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल वे हैं जिनमें कलाई, हाथ, अंगुलियों, पैरों की उंगलियों और अंगूठों के साथ सूक्ष्म कार्य करने के लिए छोटी मांसपेशियों के समूह के उपयोग की आवश्यकता होती है।

18. कथन (A) : स्कूल में सीखने के लिए बच्चों के गति कौशल का समन्वय महत्वपूर्ण नहीं है।
तर्क (R) : सीखना और विकास एक दूसरे से स्वतंत्र हैं।
सही विकल्प चुनें।

(a) A) और (R) दोनों सही है और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।
(b) (A) और (R) दोनों सही है और (R) सही व्याख्या नहीं करता है (A) की।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : स्कूल में सीखने के लिए बच्चों के गति कौशल का समन्वय महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि सीखना और विकास एक दूसरे से स्वतंत्र है; ये दोनों (A) और (R) गलत हैं। क्योंकि स्कूल में सीखने के लिए बच्चों में मोटर समन्वय महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों को अपने आस-पास की दुनिया का पता लगाने में भी मदद मिलती है। तथा मोटर समन्वय के द्वारा बच्चा चलना, दौड़ना, कूदना जैसी क्षमताओं को प्राप्त करता है। अतः सीखना और विकास एक दूसरे के अंतर्संबंधित है।

19. कथन (A) : सीखने की प्रक्रिया के दौरान बच्चों द्वारा की गई त्रुटियों को उनके संज्ञानात्मक विकास के एक भाग के रूप में देखा जाना चाहिए।
तर्क (R) : बच्चे व्यस्कों की तुलना में चीजों को अलग तरह से सीखते हैं।
सही विकल्प चुनें–

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : उपयुक्त कथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सही है और (R) सही व्याख्या है (A) की।
सीखने की प्रक्रिया के दौरान बच्चों द्वारा की गई त्रुटियों को उनके संज्ञानात्मक विकास के एक भाग के रूप में देखा जाना चाहिए क्योंकि बच्चे वयस्कों की तुलना में चीज़ों को अलग तरह से सीखते हैं। वयस्कों को यह जानने की जरूरत होती है कि कुछ क्यों सीखना है; जैसे ही वे इस प्रश्न का उत्तर देते हैं, वे आरम्भ करने के लिए तैयार होते हैं दूसरी ओर, बच्चों को आमतौर पर बताया जाता है कि उन्हें क्या सीखना है। इसीलिए बच्चे वयस्कों की तुलना में अलग तरह से सीखते हैं। बच्चे गुणात्मक रूप से वयस्कों से भिन्न होते हैं।

20. विकास की 'संवेदनशील अवधि' से क्या तात्पर्य है?
(a) वह समय अवधि जब बच्चे अधिगम के कुछ प्रकारों के प्रति तत्पर हैं।
(b) वह समय अवधि जब बच्चे बहुत भावुक होते हैं।
(c) गर्भधारण से जन्म तक की समय अवधि
(d) शैशवावस्था से किशोरावस्था तक की समय अवधि

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : 'वह समय अवधि जब बच्चे अधिगम के कुछ प्रकारों के प्रति तत्पर है' यह विकास की 'संवेदनशील अवधि' कहलाती है। संवेदनशील अवधि वह होती है जब बच्चा एक कौशल प्राप्त करने के लिए परिपक्व होता है। इस अवधि के दौरान बच्चे के पास अनुकूल अनुभव होना चाहिए जो उसे कौशल प्राप्त करने में मदद करते हैं। एक संवेदनशील अवधि जीवन में वह समय अवधि होती है जब बच्चे के विकास पर पर्यावरणीय प्रभाव का सबसे अधिक और गहरा प्रभाव पड़ता है।

21. स्नेहा का कद बहुत तेजी से बढ़ रही है और अब उसका हाथ उसकी लंबी अलमारी के हैंडल तक आसानी से पहुँच सकता है जिससे वह बहुत आसानी से अलमारी खोल सकती है। स्नेहा की कद में बदलाव को _____ कहा जाता है?
(a) पाड़ (b) वृद्धि
(c) सीखना (d) अनुकूलन

CTET (VI-VIII) 02/02/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : स्नेहा का कद बहुत तेजी से बढ़ रही है और अब उसका हाथ उसकी लंबी अलमारी के हैंडल तक आसानी से पहुँच सकता है जिससे वह बहुत आसानी से अलमारी खोल सकती है। स्नेहा की कद में बदलाव को वृद्धि कहा जाता है। वृद्धि मात्रात्मक होती है और एक समय पर रूक जाती है जबकि विकास गुणात्मक होता है और जीवन पर्यंत तक चलता ही रहता है।
पाड़ या मचान बच्चों को संकेत व इशारे करने से सम्बन्धित होता है।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थूल गामक कौशलों का उदाहरण है?
(a) चित्र बनाना (b) सुई पकड़ना
(c) तेज चलना (d) धागे में मोती पिरोना

CTET (VI-VIII) 03/02/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : स्थूल कौशल के अन्तर्गत वे बड़ी गतिविधियाँ आती हैं जो शिशु अपनी बाजुओं, टांगों, पैरों या पूरे शरीर के जारिये करते हैं। घुटनों के बल चलना, खड़े होकर चलना,तेज चलना, दौड़ना और कूदना आदि स्थूल कौशलों के उदारहण हैं।

23. विकास का 'अधोगामी' सिद्धान्त बताता है कि विकास किस ओर से किस तरफ बढ़ता है?
(a) जटिल से सरल (b) सिर से पैर
(c) केन्द्र के बाह्य (d) सामान्य से विशिष्ट

CTET (VI-VIII) 03/02/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : विकास का 'अधोगामी' सिद्धान्त यह बताता है कि विकास शरीर के केन्द्र से बाहर की ओर होता है अर्थात् पहले स्पाइनल कॉर्ड बनेगी, फिर हृदय और इसी क्रम में विकास होता चला जायेगां जैसे- बच्चों का खड़े होने से पहले बैठने में सक्षम होना, बच्चे हाथों और पैरों को हिलाना सीखने से पहले अपने सिर को हिलाना सीखते हैं; ये सभी अधोगामी सिद्धान्त को स्पष्ट करते है।

24. बच्चों के विकास की दिशा _______ होती है और प्रत्येक बच्चा ________।
(a) एक जैसी; अपनी गति से विकसित होता है।
(b) अलग-अलग; अपनी गति से विकसित होता है।
(c) एक जैसी; समान रूप से विकसित होता है।
(d) अलग-अलग रूप से विकसित होता है।

CTET (VI-VIII) 04/02/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : बच्चों की विकास की दिशा 'अलग' होती है और प्रत्येक बच्चा 'अपनी गति से विकसित होता है'। आनुवंशिकता तथा पर्यावरण प्रभावों के बीच परस्पर अंतःक्रिया से बालकों के विकासात्मक रूप में व्यक्तिगत भिन्नता होती है तथा प्रत्येक बालक के विकास की गति समान नही होती अपितु वे अपनी स्वयं की गति से विकास करते हैं।

25. कथन (A) : सभी बच्चों को बचपन में खेलने के अवसर और समय नहीं मिलता है।
तर्क (R) : सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों के आधार पर बच्चे बचपन को अलग-अलग तरह से अनुभव करते हैं।
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 04/02/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : सभी बच्चों को बचपन में खेलने के अवसर और समय नहीं मिलता है क्योंकि सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भो के आधार पर बच्चे बचपन को अलग-अलग तरह से अनुभव करते हैं। संस्कृति प्राकृतिक होती है जो स्थान, समय, समुदाय और वंश के अनुसार भिन्न होती है। हर बालक का जीवन उसके समाज और संस्कृति से प्रभावित होता है जो कि उसे घेरती है और उसे वैसे ही अपनाती है जैसे वह है। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि (A) और (R) दोनों सहीं है और (R) सही व्याख्या करता है (A) की। अतः विकल्प (a) सही उत्तर होगा।

1.(ii) बालक के विकास के सिद्धांत

26. विकास के _______ आयाम के तहत भावनाओं, आत्म-धारणा तथा परिवारों, साथियों और दोस्तों के साथ पारस्परिक संबंधों में परिवर्तन का अध्ययन किया जाता है।
(a) मनो-सामाजिक (b) भौतिक
(c) संज्ञानात्मक (d) भाषाई

CTET (VI-VIII) 14/12/2024

Ans. (a): मनोसामाजिकः- मनोसामाजिक आयाम के तहत व्यक्ति की भावनाओं, आत्म-अवधारणा और परिवार, साथियों तथा दोस्तों के साथ पारस्परिक संबंधों में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया जाता है। यह विकास का वह पहलू है, जो व्यक्ति के सामाजिक और भावनात्मक विकास पर केन्द्रित होता है।
मनोसामाजिक आयाम व्यक्ति के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह उनके सामाजिक और भावात्मक जीवन की नीव को तैयार करता है।
एरिक एरिक्सन का मनोसामाजिक सिद्धांतः-
एरिक एरिक्सन ने मनोसामाजिक विकास को आठ चरणों में बांटा है, जिसमें प्रत्येक चरण एक विशिष्ट ''मनोसामाजिक संघर्ष'' पर केंद्रित है।
उदाहरण-
- बचपन में विश्वास बनाम अविश्वास
- किशोरावस्था में पहचान बनाम भूमिका

27. एक प्रारंभिक विद्यालय का शिक्षक छात्र के शैक्षणिक आत्म-संप्रत्यय के विकास को दृढ़ता से प्रभावित कर सकता है :
(a) सभी विद्यार्थियों से बहुत कम अपेक्षाएँ रखना
(b) छात्रों में स्वायत्तता और पहल को दंडित करना
(c) छात्रों में स्वायत्तता और पहल को पुरस्कृत करना
(d) विशेष छात्रों से बहुत कम उम्मीदें रखना
CTET (VI-VIII) 21/01/2024 (Shift-II)

Ans. (c) : प्रारंभिक विद्यालय के शिक्षक छात्रों के शैक्षणिक आत्म-संप्रत्यय को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब शिक्षक छात्रों की स्वामित्व और पहल को पुरस्कृत करते हैं, तो यह छात्रों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने और अपनी शिक्षा में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करता है। यह छात्रों को यह भी दिखाता है कि उनकी राय और विचार महत्वपूर्ण हैं, जिससे उनके आत्म-सम्मान और आत्म विश्वास को बढ़ावा मिलता है।

28. निम्नलिखित कथन में विकास के किस सिद्धांत को दर्शाया गया है?
''जो बच्चे अपने शुरूआती वर्षों में भाषा सीखने के लिए अनुकूल वातावरण से वंचित रहते हैं, उन्हें बाद के जीवन में भाषा चुनने में थोड़ी कठिनाई होती है।''
(a) भाषा का विकास पूरी तरह आनुवंशिकी पर निर्भर है।
(b) भाषा और अनुभूति जटिल रूप से परस्पर संबंधित हैं।
(c) विकास अव्यवस्थित और अप्रत्याशित होता है।
(d) भाषा के विकास का एक संवेदनशील काल है।
CTET (VI-VIII) 20/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : ''जो बच्चे अपने शुरूआती वर्षों में भाषा सीखने के लिए अनुकूल वातावरण से वंचित रहते हैं, उन्हें बाद के जीवन में भाषा चुनने में थोड़ी कठिनाई होती है।''
यह कथन दर्शाता है कि भाषा के विकास का एक संवेदनशील काल है जिसे प्रारम्भिक बाल्यावस्था कहते है। जीवन के पहले तीन वर्षो की शुरूआत में बच्चें 300 और 1000 शब्दों के बीच एक बोली जाने वाली शब्दावली विकसित करते हैं और वे अपने आस-पास की दुनिया के बारे में जानने और उसका वर्णन, करने के लिए भाषा का उपयोग करने में सक्षम होते है।

29. निम्नलिखित में से कौन सा विकास का सिद्धान्त नहीं हैं?
(a) विकास एक क्रमानुसार होने वाली प्रक्रिया है।
(b) विकास की कोई विशिष्ट दिशा नहीं होती।
(c) कुछ हद तक विकास की भविष्यवाणी की जा सकती है।
(d) विकास आनुवंशिकता और पर्यावरण कारकों की पारस्परिक अंतःक्रिया का परिणाम है।
CTET (VI-VIII) 12/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : 'विकास की कोई विशिष्ट दिशा नहीं होता हैं' यह विकास के सिद्धान्त के अन्तर्गत नहीं है। मानव विकास के सिद्धान्त को उस रूप में परिभाषित किया जाता है जिस तरीके में एक व्यक्ति विकसित होगा। विकास के कई सिद्धान्त है जिसमें से एक 'क्रमिकता का सिद्धान्त' है इस सिद्धान्त के अन्य दो रूप है, सिफेलोकॉडल प्रवृत्ति एवं 'प्रोक्सिमो-डिस्टल'। इसके अलावा निरंतरता का सिद्धान्त, व्यक्तिगत अंतर, पारस्परिक संबंध, सामान्य से विशिष्ट, परस्पर क्रिया, दर में विभेदन, एकीकरण और पूर्वानुमेयता है।

30. बच्चों का विकास निम्नलिखित में से कौन-से सिद्धांत का अनुसरण करता है?
(a) एकरूपता
(b) एक-आयामी
(c) रैखिकता
(d) व्यक्तिगत भिन्नताएँ
CTET (VI-VIII) 27/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : बच्चों का विकास व्यक्तिगत भिन्नताओं के सिद्धान्त का अनुसरण करता है। इस सिद्धान्त के अनुसार विकास की दर में पायी जाने वाली व्यक्तिगत भिन्नता लगभग समान रहती है। बालक अपनी स्वाभाविक गति से वृद्धि और विकास के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ते रहता है। और इसी कारण उनमें पर्याप्त भिन्नता देखने को मिलती है। कोई भी बालक वृद्धि और विकास की दृष्टि से किसी अन्य बालक के समरूप नही होता है उनमें कुछ न कुछ भिन्नताएँ देखने को मिलती हैं।

31. प्रत्येक बच्चे के विकास की दरः
(a) गर्भधारण के समय निर्धारित हो जाती है और पर्यावरण इसमें ज्यादा भूमिका नहीं निभाता है।
(b) आनुवंशिकता और पर्यावरण की अंतःक्रिया के माध्यम से गतिशील तरीके से उभरती है।
(c) को विकासात्मक प्रतिमान को परखकर सटीक भविष्यवाणी की जा सकती है।
(d) की भविष्यवाणी बिल्कुल नहीं की जा सकती क्योंकि यह यादृच्छिक तरीके से होता है।
CTET (VI-VIII) 02/02/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : प्रत्येक बच्चे के विकास की दर आनुवांशिकता और पर्यावरण की अंतः क्रिया के माध्यम से गतिशील तरीके से उभरती है।
आनुवांशिकता और पर्यावरण ये दोनों ऐसे तत्व हैं जो किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आनुवांशिकता व्यक्ति को विकास की क्षमता प्रदान करती है, जिसका सही ढ़ंग से उपयोग पर्यावरण द्वारा किया जाता है। प्रत्येक बच्चे के विकास की प्रक्रिया भिन्न-भिन्न दर से होती है और यह सुचारू रूप से जीवन पर्यंत तक गतिशील रहती है।

1.(iii) आनुवांशिकता और पर्यावरण का प्रभाव

32. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए :
अभिकथन (A) : जीन पियाजे ने माना कि सीखने की प्रक्रिया पूरी तरह आनुवंशिकता पर निर्भर है।
कारण (R) : विकास आनुवंशिकता और पर्यावरण के बीच पारस्परिक क्रिया का परिणाम है।
सही विकल्प का चयन कीजिए।
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (A) की (R) सही व्याख्या करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही है लेकिन (A) की (R) सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 15/12/2024

Ans. (*) : जीन पियाजे ने माना कि सीखने की प्रक्रिया पूरी तरह आनुवंशिकता पर निर्भर है यह अभिकथन गलत है। इनके अनुसार सीखने की प्रक्रिया आनुवंशिकता और पर्यावरण के बीच पारस्परिक क्रिया का परिणाम है। इस प्रकार, (A) गलत है लेकिन R सही है।
Note : आयोग ने इस प्रश्न Z (All) संकेत दिया है जिसका अर्थ है कि सभी सही हैं।

33. सुनीता, एक 12 वर्षीय लड़की, विशेष संगीतीय क्षमता रखती हैं। उसके माता-पिता, दोनों ही निपुण गायक हैं, और वे सुनीता को अपनी आवाज को और बेहतर करने के लिए प्रशिक्षण कक्षा में भेज रहे हैं। सुनीता की यह क्षमता संभावित रूप से किन कारकों के अंतः क्रिया का परिणाम है?
(a) आनुवंशिकता और वातावरण
(b) लैंगिक पहचान और आनुवंशिक संरचना
(c) वृद्धि और परिपक्वता
(d) पोषण और अनुशासन

CTET (VI-VIII) 07/07/2024

Ans. (a) : सुनीता की उपरोक्त क्षमता संभावित रूप से आनुवांशिकता और वातावरण कारकों के अंतः क्रिया का परिणाम है।
के आनुवांशिकता और पर्यावरण ऐसे तत्व हैं जो किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। व्यक्ति आनुवंशिकता और पर्यावरण के बीच गुणन का परिणाम हैं अच्छे वातावरण के बिना आनुवंशिकता के बिना अच्छे परिवेश का कोई मतलब नहीं है।

34. संवेदनशील अवधि वह समय अवधि होती है जिसके दौरान कुछ ——— विशेष रूप से 'सामान्य' विकास के लिए महत्वपूर्ण होती हैं।
(a) पर्यावरणीय कारक (b) वंशानुगत कारक
(c) उत्पत्तिमूलक कारक (d) मानवजाति कारक

CTET (VI-VIII) 07/07/2024

Ans. (a) : संवेदनशील अवधि वह समय अवधि होती है जिसके दौरान कुछ पर्यावरणीय कारक विशेष रूप से 'सामान्य' विकास के लिए महत्वपूर्ण होती है।
संवेदनशील अवधि जीवन की वह अवधि होती है जब पर्यावरणीय प्रभाव बच्चे के विकास पर सबसे अधिक प्रभाव डालता है। इस अवधि के दौरान, विशिष्ट अनुभव बच्चे के विकास को अन्य समय की अपेक्षा अधिक प्रभावित करते हैं।

35. निम्न में से कौन से कारक बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए जिम्मेदार हैं?
(i) आनुवंशिकता (ii) भौतिक वातावरण
(iii) सामाजिक परिवेश
(a) केवल (i) (b) केवल (ii) और (iii)
(c) केवल (i) और (ii) (d) (i), (ii), और (iii)

CTET (VI-VIII) 09/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : मानव विकास का सामान्य अर्थ व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व में आयु के साथ आए परिवर्तन से है। विकास व्यक्ति के मानसिक, भावात्मक, सामाजिक, नैतिक आदि पक्षों में परिवर्तन से है। यह विकास प्रक्रिया मानव जीवन में गर्भावस्था से लेकर मृत्युपर्यंत तक चलती रहती है। विकास का क्षेत्र अति व्यापक होता है। बच्चों के सम्पूर्ण विकास में निम्न कारक जिम्मेदार होते हैं–

● **आनुवांशिकता (Heredity) –**
* शारीरिक संरचना
* लिंग भेद
* संवेगात्मक विशेषताएँ
* बुद्धि
* वंश/प्रजाति
* आंतरिक संरचना

● **भौतिक वातावरण (Physical Environment) –** बोरिंग, वैल्ड और लैंगफील्ड ने वातावरण के प्रभाव को इस तरह व्यक्त किया है - ''वातावरण वह प्रत्येक वस्तु है जो व्यक्ति को पित्रैकों के अतिरिक्त अन्य सभी बातों को प्रभावित करती है।''

● **सामाजिक परिवेश (Social Context) –**
* जीवन की आवश्यक सुविधाएँ
* समाज और संस्कृति
* पारिवारिक पृष्ठभूमि
* रोग तथा चोट
* विद्यालय

36. कौन से कारक बच्चों के विकास को निर्धारित व प्रभावित करते हैं?
(i) आनुवंशिकता
(ii) भौतिक वातावरण
(iii) सामाजिक-सांस्कृतिक कारक
(a) (i) and (iii)/(i) और (iii)
(b) (i) and (ii)/ (i) और (ii)
(c) (ii) and (iii)/ (ii) और (iii)
(d) (i), (ii) and (iii)/ (i), (ii) और (iii)

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : बच्चों के विकास को आनुवंशिकता, भौतिक वातावरण तथा सामाजिक-सांस्कृतिक कारक ये तीनों प्रभावित व निर्धारित करते हैं। बालक को अपने माता पिता से जो भी गुण प्राप्त होता है वो वंशानुक्रम के माध्यम से ही होता है। वातावरण के कारण बालक की मानसिक शक्ति, कल्पना शक्ति तथा तर्क-शक्ति प्रभावित होती है। बालक की सामाजिक- आर्थिक स्थिति का भी प्रभाव उसके विकास पर पड़ता है अतः निर्धन परिवार के बच्चे अधिक अवसर प्राप्त न करने के कारण पीछे रह जाते हैं। जबकि शहर के बच्चों को बेहतर सामाजिक एवं सांस्कृतिक वातावरण मिलने के कारण उनका मानसिक एवं सामाजिक विकास स्वाभाविक रूप से अधिक होता है।

37. कथन (A) : एक बच्चे के शारीरिक विकास की दिशा पूरी तरह से उसके जन्म के समय निश्चित हो जाती है।
तर्क (R) : केवल अनुवंशिकता ही ऐसा एकमात्र कारक है जो बच्चों के विकास के लिए उत्तरदायी है।
सही विकल्प चुनें।
(a) (A) और (R) दोनों सही है और (A) की (R) सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है लेकिन (A) की (R) सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 27/01/2023 (Shift-II)